छोड़ दे, छोड़ दे,

अपने आप का भरोसा

कर मसीह पर भरोसा,

वो तुझे जानता है

1. दो-चार दिन की है तेरी

यह रंग, रूप और यह जवानी

यह धन दौलत और यह शौहरत

हो जाएगी एक दिन फानी

चलने वाली साँसें तो ठहर जाती हैं

2. दुनिया की ताकत का

सुन प्‍यारे भरोसा न करना

झूठा प्‍यार झूठा जग सारा

किसी पर भरोसा न करना

कच्‍चे धागों का यह बन्धन टूट जाता है

3. अपनी फ़िक्र तू कभी न करना

तेरी फ़िक्र तो मसीह करेगा

जहाँ में एक है वो सहारा

सारी मुश्‍किलें मसीह आसान करेगा

सुख शान्‍ति के, ये घर लेकर जायेंगा